Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL E-711B

लोक साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- लोक साहित्य का अनुशीलन करेंगे.
- भारतीय लोक साहित्य के औचित्य को समझ पाएंगे.
- साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.
- लोक साहित्य की समीक्षा कर सकेंगे.
- भारतीय लोग साहित्य की वाचिक परंपरा से अवगत होंगे.

इकाई- 1

- लोक और लोक वार्त्ता ,लोक संस्कृति की अवधारणा
- लोक वार्त्ता और लोक संस्कृति,लोक संस्कृति और साहित्य
- साहित्य और लोक का अंत:संबंध ,लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानो से संबंध
- लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं.

इकाई-2

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास
- लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
- लोक गीत ;संस्कार गीत ,व्रत गीत,श्रम गीत,जाति गीत

इकाई-3

- लोक नाट्य -रामलीला ,रास लीला ,किर्तनिया ,स्वान ,यक्ष गान ,विदेशिया,तमाशा
- नौटंकी ,हिंदी लोक नाट्य की परम्परा और प्रविधि ,हिंदी नाटक और रंगमच पर लोक नाटको का प्रभाव ,लोक नृत्य और लोक संगीत

इकाई-4

- लोक कथा ,व्रत कथा ,परिकथा ,नाग कथा,कथा रूढ़ियाँ और अंध विश्वास

इकाई-5

- लोक भाषा: लोक संभाषित मुहावरे ,कहावते ,लोकोक्तियाँ ,पहेलियाँ

संदर्भ-

1. डॉ.सुचित्रा मलिक : वृंदावन लाल वर्मा के ऐतिहासिक उपन्यासों में लोक संस्कृति
2. डॉ. मृदुल जोशी: उत्तराखंड की लोक संस्कृति और लोक भाषा
3. डॉ.हरि सिंह पाल :लोक काव्य की क्षितिज ,अनंग प्रकाशन दिल्ली.
4. सतेन्द्र-लोक साहित्य विज्ञान
5. कृष्णदेव उपाध्याय:लोक साहित्य की भूमिका
6. धीरेन्द्र वर्मा : लोक साहित्य की भूमिका
7. श्याम परमार:भारतीय लोक साहित्य